पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न
भारत की प्रगति युवाओं की प्रगति पर निर्भर है - राज्यपाल

लखनऊः 14 जनवरी, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय के 59वें दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुये कहा कि दीक्षान्त समारोह छात्र जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह ऐसा पड़ाव है जहाँ शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रायें उपाधि प्राप्त करके नया जीवन प्रारम्भ करेंगे। शिक्षा पूर्ण कर नये परिवेश में स्थापित होने में माता-पिता एवं शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। अपनी ज्ञानरूपी शक्ति का उपयोग जनहित में करें। विश्व में कड़ी स्पर्धा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जाने के लिये कड़ी मेहनत, जिसका कोई पर्याय नहीं है एवं प्रमाणिकता से जीवन में आगे बढे। असफलता को सफलता में परिवर्तित करने को अपना जुनून बनायें। उपाधि प्राप्त करने से पूर्व ली गयी प्रतिज्ञा को जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि किताबी पढ़ाई समाप्त हुयी है लेकिन जीवन में अध्ययन करते रहें तभी सफलता मिलेगी।

श्री नाईक ने कहा कि भारत विश्व के बडे देशों में शुमार किया जाता है। हमारे देश की विशेषता है कि 2025 में भारत विश्व का सबसे युवा देश होगा। भारत की प्रगति युवाओं की प्रगति पर निर्भर है। युवा समाज के अभिन्न अंग तथा देश की पूंजी हैं। पूंजी के आधार पर देश प्रगति कर सकता है। सही दिशा निर्देश नहीं मिलेंगे तो युवा भटक सकते हैं। राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुये कहा कि इस विश्वविद्यालय ने देश को राष्ट्रपति, अनेक राजनैतिक हस्तियाँ, वैज्ञानिक, कलाकार एवं शिक्षक दिये हैं। छात्र राजनीति में भी जाकर समाज की सेवा कर सकते हैं। यह समय सपनों को मूर्तरूप देने का है। उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र ऐसे महानुभावों को आदर्श बनाकर स्वयं भी आगे बढे।

राज्यपाल ने चुटकी लेते हुये कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं की तुलना में छात्र कम हैं। 37 हजार छात्रों को आज उपाधि मिली है, जिनमें 23 हजार छात्रायें हैं और केवल 14 हजार छात्र हैं। 79 प्रतिशत पदक छात्राओं को मिले हैं और छात्रों को 21 प्रतिशत पदक प्राप्त हुये हैं। यह आकड़ा महिला सशक्तिकरण का परिचायक है। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र बताते हुए कहा कि सदैव प्रसन्नचित रह कर मुस्कराते रहें, दूसरों के अच्छे गुणों की प्रशंसा करें और अच्छे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करें, दूसरों को छोटा न दिखायें क्योंकि अहंकार गति अवरोधक का काम करता है तथा हर काम को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें।

श्री नाईक ने कहा कि प्रदेश में जनतंत्र का उत्सव चल रहा है। विधान सभा चुनाव की तिथियाँ घोषित हो चुकी हैं। संविधान द्वारा प्रदत्त मताधिकार जनतंत्र में सबसे अधिक मूल्यवान अधिकार है। मताधिकार का प्रयोग कर शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें तथा उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में सहयोग करें। वर्ष 2012 के विधान सभा चुनाव में प्रदेश में 12.74 करोड़ मतदाता थे जिसमें केवल 59.52 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया तथा वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में 13.88 करोड मतदाताओं में केवल 58.27 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया जिसका मतलब यह है कि करीब 40 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान नहीं किया। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नयी मतदाता सूची के अनुसार 2017 के विधान सभा चुनाव में 14.13 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 24.53 लाख नये मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति दिलीप बाबासाहब भोसले, मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुये कहा कि नये परिवेश में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का ख्याल करें। यह जानने का प्रयास करें कि भविष्य में आप क्या करना चाहते हैं। कड़ी मेहनत करके अपने विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ायें। ईमानदारी का पक्ष कभी नहीं छोडे। उन्होंने विधि की उपाधि के महत्व को समझाते हुये कहा कि कारपोरेट जगत में हो रहे नित नये परिवर्तन को देखते हुये यह निश्चित है कि भविष्य में विधि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध होने की अनेक संभावनायें हैं। वकालत के अलावा भी अनेकों फर्म एवं कंपनियों में विधि की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार न मानने वाले ही सफल होते हैं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की तथा लखनऊ विश्वविद्यालय का एक कलैण्डर जारी किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल एवं मुख्य

न्यायाधीश को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति पदक, कुलपति पदक सहित अन्य पदक और पारितोषिक प्रदान किये गये।

अंजुम/ललित/राजभवन (18/18)

JANUARY 14, 2017
University of Lucknow
2017

UNIVERSITY OF LUCKNOW